

new Government's life will be shortened, and so do you feel that these ten years is also too much?

With these questions in mind, I however support the Bill.

SUPPLEMENTARY DEMANDS FOR GRANTS (GENERAL), 1989-90

THE MINISTER OF FINANCE (PROF. MADHU DANDAVATE): I beg to lay on the Table a statement (in English and Hindi) showing the Supplementary Demands for Grants (General) for the year 1989-90 (December, 1989). [Placed in Library. See No. LT-18/89]

CONSTITUTION (SIXTY-SECOND-AMENDMENT) BILL 1989-Contd.

डा० रत्नाकर पाण्डेय: उपसभापति महोदया, हिन्दी की प्रति हम लोगों को नहीं मिली जब कि मिलनी चाहिये राजभाषा का अपमान नहीं होना चाहिये। जो पेपर हम को मिला है केवल अंग्रेजी में है।

उपसभापति: अमेन्डमेंट का कह रहे हैं, अभी देखते हैं।

डा० रत्नाकर पाण्डेय: पार्लियामेंटरी अफेयर्स मिनिस्टर अपने मित्र उपेन्द्र जी से कहेंगे कि राजभाषा का अपमान नहीं होना चाहिये। कई बार यह चीज उठाई गई है इस सदन में चाहे हम उधर से विरोधी दल के लोग हों या उधर के लोग रहें हों। हिन्दी की यह उपेक्षा अनुचित है और संसदीय परम्पराओं और कानून के प्रति घोर उल्लंघन है। मैं इसे सदन का अपमान मानता हूँ। हिन्दी प्रति आ जाए तब मंत्री महोदय वक्तव्य दें।

उपसभापति: पंडित जी, अभी चार बजे यह अमेन्डमेंट आया है। मैंने सेक्रेटरी से पूछा है वह इतनी देर में करवा नहीं सके। कोशिश कर रहे हैं। हिन्दी प्रति आ जाएगी तो दे देंगे। (व्यवधान)

डा० रत्नाकर पाण्डेय: हिन्दी का ही करवाने में दिक्कत होती है। राजभाषा का अपमान नहीं किया जाना चाहिये (व्यवधान) जब अनुवाद करा लें तब उसके बाद कार्यवाही चलने दीजिये (व्यवधान)

सूचना और प्रसारण मंत्री और संसदीय कार्य मंत्री (श्री पी० उपेन्द्र): उपसभापति महोदया, हिन्दी में अनुवाद के लिए यहां कुछ इन्तजाम कम है उसको बढ़ाने के लिए कोशिश कर रहे हैं। (व्यवधान)

डा० रत्नाकर पाण्डेय: कोई कमी नहीं है यह गवर्नमेंट की इन्फॉर्मिटी है (व्यवधान)

श्री रामचन्द्र विकल: हिन्दी में पहले हो और अंग्रेजी में अनुवाद हुआ करे (व्यवधान)

डा० रत्नाकर पाण्डेय: वाजपेयी जी आप भी बोलिये हिन्दी वाले इश्यु पर (व्यवधान) यह बड़े आपमान की बात (व्यवधान)

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया: उपसभापति महोदया, मैं आपसे जानना चाहता हूँ कि जो पार्लियामेंटरी अफेयर्स मिनिस्टर ने यह कहा कि हिन्दी का अनुवाद करने की व्यवस्था कम है यह बात सच है या नहीं? (व्यवधान) मंत्री तुरंत बताएं (व्यवधान)

उपसभापति: आप ऐसा न बोलिये (व्यवधान)

श्री सीर्जा इशविबेग: इसकी व्यवस्था क्या है इसकी जानकारी हमें दें। पर्याप्त व्यवस्था है या अपर्याप्त व्यवस्था है। सेक्रेटरी जनरल से पूछकर हमें बताइये... (व्यवधान) हिन्दी के अनुवाद के लिए जो भी यहां पर व्यवस्था है वह पर्याप्त है या अपर्याप्त है यह जानकारी हम आपसे लेना चाहते हैं... (व्यवधान)